विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -सप्तम दिनांक -24-05-2020

विषय -हिन्दी शिक्षक -पंकज सर

सुप्रभात बच्चों आज समर्पण कविता के बारे में अध्ययन करेंगे एवं अर्थ स्पष्ट करेंगे।

पाठ -1 समर्पण

निम्नलिखित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए :–

(i) "मन समर्पित, प्राण अर्पित

रक्त का कण – कण समर्पित।"

उत्तर

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहता है कि – माँ तुम्हारी रक्षा के लिए मैं अपने मन , प्राण और शरीर में बचे हुए रक्त की एक एक बूंद समर्पित करना चाहता हूँ। अर्थात देश के लिए बलिदान देना चाहता हूँ ।

(i) "ये सुमन लो, यह चमन लो,

नीड़ का तृण – तृण समर्पित। "

उत्तर

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहता है कि – हे माँ ! यह फूलों के समान जीवन रूपी सुख, यह सुंदर बगीचे जैसा देश और तिनका-तिनका चुन कर बनाया गया सपनों का संसार – सा मेरा घर यह सब मैं तुम्हें तुम्हारी रक्षा के लिए समर्पित करना चाहता हूँ ।

(iii) "स्वप्न अर्पित, प्रश्न अर्पित,

आयु का क्षण – क्षण समर्पित ।"

उत्तर

प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहता है कि मैंने अपने जीवन को सँवारने के लिए जो सपने देखे हैं, उन सपनों को और भविष्य को जानने – समझने के लिए जिन प्रश्नों को मन में रखा है, उन प्रश्नों को तथा अपने जीवन के प्रत्येक पलों को तुम्हारे मान और सम्मान के लिए अर्पित करना चाहता हूँ।

1. समाज में फैली बुराइयों , अशिक्षा , बालविवाह, छुआछूत आदि को दूर करना।

2. स्वरचित कर्ताओं के माध्यम से देश में त्याग की भावना जागृत करना।

3. नए – नए उद्योगों और अविष्कारों द्वारा देश में आर्थिक विकास में सहयोग करना।

* पर्यायवाची शब्द :–

1. तलवार –खड्ग, असि, कृपाण।

2. धरती — वसुधा, पृथ्वी, धरा।

3. सुमन — पुष्प, फूल, कुसुम ।

4. चमन — उद्यान, वाटिका, बगीचा

5. निवेदन –प्रार्थना, विनती।

6. देश –राष्ट्र, वतन, मुल्क।